AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

## बौद्धिक संग नैतिक क्षमता का हो विकास

लखनडऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग की ओर से विद्यार्थियों में नैतिक क्षमता के विकास के लिए शुक्रवार को होलिस्टिक माइंड सेशन आयोजित किया गया। इसके पहले सत्र में एमएससी रसायन विज्ञान व पीएचडी के छात्रों को शामिल किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल मिश्रा ने कहा कि विद्यार्थियों में बौद्धिक संग नैतिक शिक्षा का विकास जरूरी है। रसायन विज्ञान की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मनीषा शुक्ला ने बुनियादी मानव आकांक्षा और स्व नियमन विषय पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि कौशल आधारित दक्षताओं के साथ प्रत्येक विद्यार्थी में नैतिक क्षमता के विकास पर ध्यान देना चाहिए। इस दौरान एमएससी रसायन विज्ञान और एमएससी फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री के तृतीय सेमेस्टर के छात्रों संग विभाग के संकाय सदस्य व पीएचडी के छात्र भी शामिल रहे। (संवाद)

## लविवि के प्रियांशु, आकांक्षा को ₹14 लाख का पैकेज

संवाद न्यूज एजेंसी

**असिस्टेंट आईटी मैनेजर के पद पर मिली नियुक्ति, 25 और छात्रों का महिंद्रा कंपनी में हुआ चयन**


प्रियांशु शुक्ला


आकांक्षा वर्मा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के 27 छात्रों का शुक्रवार को महिंद्रा कंपनी में चयन हुआ। इनमें से प्रियांशु शुक्ला और आकांक्षा वर्मा को 14 लाख 40 हजार रुपये सालाना का पैकेज मिला है। दोनों को असिस्टेंट आईटी मैनेजर के पद पर नियुक्ति मिली है।

विश्वविद्यालय की प्लेसमेंट सेल की निदेशक डॉ. मधुरिमा लाल ने बताया कि दिव्यांश कुमार श्रीवास्तव का असिस्टेंट डिजिटल मैनेजर के पद पर चयन हुआ है। उन्हें 8.6 लाख रुपये सालाना का पैकेज मिला है। अंजलि सिंह का एग्जीक्यूटिव ब्रांच मैनेजर पद पर 7.9 लाख के पैकेज पर चयन हुआ है।

इसके अलावा विजय कुमार मिश्रा का 7.2 लाख रुपये, उत्कर्ष जायसवाल का 5.76 लाख रुपये, माधवी यादव का 4.68 लाख रुपये सालाना पर नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि हाल ही में ओएनजीसी ने 24.61 लाख रुपये सालाना के पैकेज पर जियोलॉजी विभाग की छात्राओं को भर्ती किया है। यह विश्वविद्यालय की बड़ी उपलब्धि है। बीते ढाई महीने में विश्वविद्यालय के 400 से अधिक छात्रों को प्लेसमेंट मिला है।

### लविवि में डीएसडब्ल्यू की नई टीम गठित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति ने शुक्रवार को डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर (डीएसडब्ल्यू) की नई टीम गठित कर दी। रजिस्ट्रार संजय मेधावी ने बताया कि इस टीम में तीन एडिशनल डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर और 23 असिस्टेंट डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर शामिल हैं। इसमें डॉ. अमृतांशु शुक्ला, डॉ. राघवेंद्र प्रताप सिंह और डॉ. अलका मिश्रा को एडिशनल डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर नियुक्त किया गया है। डॉ. कुसुम यादव, डॉ. अभिषेक कुमार तिवारी, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. मोहम्मद अनीस, डॉ. विवेक कुमार सिंह समेत कुल 23 शिक्षक असिस्टेंट डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर के पद पर नियुक्त किए गए हैं। (संवाद)

### चीफ प्रॉक्टर ने किया कैंपस का निरीक्षण

लखनऊ। लविवि के चीफ प्राक्टर ने शुक्रवार को टीम के साथ वाणिज्य विभाग, टैगोर लाइब्रेरी, टैगोर लॉन, भू विज्ञान विभाग, वनस्पति विज्ञान विभाग, जंतु विज्ञान विभाग, गणित विभाग, सांख्यिकी, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान और कला संकाय भवन का निरीक्षण किया। एडिशनल प्रॉक्टर डॉ. ओपी शुक्ला ने बताया कि इस दौरान कैंपस में इधर-उधर बैठे छात्रों को कक्षा, पुस्तकालय और प्रयोगशाला भेजा गया। इसके साथ ही विवि की कैंटीनों का निरीक्षण किया गया। चीफ प्रॉक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी ने कैंटीन में जलपान कर रहे छात्र-छात्राओं से संवाद कर कैंपस को स्टूडेंट फ्रेंडली कैंपस बनाने के संदर्भ में फीडबैक भी लिया। (संवाद)

NBT PAGE 4

## एलयू के 27 स्टूडेंट्स को मिला कैंपस प्लेसमेंट

■ एनबीटी सं, लखनऊ

एलयू में गुरुवार को 27 और स्टूडेंट्स का कैंपस प्लेसमेंट हुआ। दो स्टूडेंट्स को 14 लाख 40 हजार रुपये का सालाना पैकेज मिला है। इसके अलावा चयनित अन्य स्टूडेंट्स को भी अच्छा पैकेज दिया गया है। सेंट्रल प्लेसमेंट सेल की डायरेक्टर के मुताविक, एलयू ढाई महीने में 400 से अधिक प्लेसमेंट करा चुका है।

सेंट्रल प्लेसमेंट सेल (सीपीसी) की डायरेक्टर डॉ. मधुरिमा लाल ने शुक्रवार को वताया कि कुछ दिनों पहले महेन्द्रा कंपनी कैंपस प्लेसमेंट के लिए एलयू में आई थी। हर विभाग के स्टूडेंट ने इंटरव्यू दिया था। गुरुवार को महेन्द्रा कंपनी ने चयनित 27 स्टूडेंट्स की पहली लिस्ट जारी की है। उन्होंने वताया कि असिस्टेंट आईटी मैनेजर के पद पर प्रियांशु शुक्ला और आकांश वर्मा का चयन किया गया। दोनों को 14.4 लाख और 14.4 लाख रुपये का सालाना पैकेज दिया गया है। वहीं असिस्टेंट डिजिटल मैनेज के पद पर दिव्यांश कुमार का चयन किया गया है। अभी दो लिस्ट और महेन्द्रा जारी करेगा।

HINDUSTAN PAGE 6

## प्रॉक्टर ने परिसर में छात्रों को सुरक्षा का भरोसा दिया

हि फॉलोअप

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार को मारपीट के बाद छात्र डरे थे। इसीलिए एलयू प्रॉक्टोरियल बोर्ड ने शुक्रवार को विश्वविद्यालय का भ्रमण करते हुए छात्र-छात्राओं के साथ संवाद किया। बाहरी छात्रों की जांच के लिए बोर्ड के सदस्य चीफ प्रॉक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी के साथ सुबह से ही निकले। टैगोर लाइब्रेरी, पवेलियन पार्क, सभी विभागों की कैंटीन में भ्रमण किया।

वहां मौजूद छात्र-छात्राओं से बात की और समस्याएं पूछीं। चीफ प्रॉक्टर ने कैंटीन में नाश्ता कर रहे विद्यार्थियों से बात की तो विद्यार्थियों ने बताया कि मारपीट के माहौल से डर लगता है। चीफ प्रॉक्टर ने विद्यार्थियों को आश्वस्त कराया कि माहौल लगातार सुधारने का प्रयास हो रहा है। बाहरी छात्रों के प्रवेश पर रोक लगायी है। छात्रों से भी बाहरी लोगों की जानकारी देने को कहा। शुक्रवार को भी कई बाहरी लड़के मिले जिन्हें बाहर भेजा गया।

वहीं एलयू में शुक्रवार को कुलसचिव संजय मेधावी ने शिक्षक-शिक्षिकाओं को एडिशनल और असिस्टेंट डीन स्टूडेंट वेलफेयर की जिम्मेदारी दी।

### एलयू के दो छात्रों को 14 लाख से अधिक पैकेज

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में केन्द्रीय प्लेसमेंट सेल से लगातार छात्रों को प्लेसमेंट मिल रहे हैं। महेंद्रा कंपनी ने ड्राइव के बाद 27 चयनित छात्र-छात्राओं की सूची जारी की। जिसमें सबसे अधिक 14.40 लाख का पैकेज असिस्टेंट आईटी मैनेजर के दो पदों पर प्रियांशु और आकाश वर्मा को मिला। इसके अलावा असिस्टेंट डिजिटल मैनेजर पद पर दिव्यांश कुमार 8.6 लाख, एक्जीक्यूटिव ब्रांच मैनेजर पद पर अंजलि सिंह 7.9 लाख का पैकेज ऑफर किया गया है।

i-NEXT PAGE 4

## एलयू में होलिस्टक सेशन का हुआ शुभारंभ

LUCKNOW: लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में शुक्रवार को होलिस्टिक माइंड सेशन का शुभारंभ हुआ. एमएससी और पीएचडी छात्रों के लिए शुरू हुए इस कार्यक्रम में विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डा. मनीषा शुक्ला ने 'बुनियादी मानव आकांक्षा और स्व-नियमन' विषय पर हुए व्याख्यान में कौशल आधारित दक्षताओं के साथ-साथ प्रत्येक में एक समझ लाने का लक्ष्य रखा, ताकि नैतिक क्षमता के विकास पर मुख्य ध्यान केंद्रित रहे.

## ऑनलाइन ट्रेडिंग की दी गई जानकारी

LUCKNOW: एलयू के इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट साइंसेज (आइएमएस) में शुक्रवार को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया. बतौर विशेषज्ञ सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड आफ इंडिया (सेबी) के डीजीएम गगन वाधवा ने सेबी के नियमों और निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए उठाए गए उपायों की जानकारी दी. एक अन्य विशेषज्ञ एमसीएक्स के वाइस प्रेसीडेंट संजय गाखर ने कमोडिटी डेरिवेटिव मार्केट, ऑनलाइन ट्रेडिंग, बाजार में अस्थिरता में एमसीएक्स की भूमिका से अवगत कराया.

## दो स्टूडेंट्स को 14.40 लाख का पैकेज

लखनऊ विश्वविद्यालय में कैंपस प्लेसमेंट का सिलसिला जारी है. महेंद्रा कंपनी की ओर से हुई प्लेसमेंट ड्राइव में 27 विद्यार्थियों का चयन किया गया. इनमें बीटेक के विद्यार्थियों प्रियांशु शुक्ला और आकांक्षा वर्मा को 14.40 लाख रुपये सालाना पैकेज मिला है. इनका चयन असिस्टेंट आईटी मैनेजर के पद पर हुआ है. सेंट्रल प्लेसमेंट सेल की निदेशक प्रो. मधुरिमा लाल ने बताया कि पहली सूची में कंपनी ने 27 विद्यार्थियों का चयन किया है. इनमें असिस्टेंट डिजिटल मैनेजर के पद पर एमबीए द्वितीय वर्ष के छात्र दिव्यांश कुमार श्रीवास्तव को 8,64,000 रुपये सालाना, विजय कुमार मिश्र को 7,20,000 रुपये सालाना, अंजलि सिंह को 7.9 लाख रुपये वार्षिक का पैकेज सहित कई बड़े पैकेज पर विद्यार्थियों का चयन किया गया है.

JAGRAN CITY PAGE III

### कैंटीन का निरीक्षण

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में शुक्रवार को भी प्राक्टोरियल बोर्ड की टीम ने कैंपस की सभी कैंटीन का निरीक्षण किया। चीफ प्राक्टर प्रो .राकेश द्विवेदी ने बताया कि कई छात्र-छात्राएं इधर-उधर बैठे मिले, उन्हें अपनी कक्षा, पुस्तकालय और प्रयोगशाला में जाने के निर्देश दिए गए। कैंटीन में छात्र-छात्राओं से बातचीत भी की गई। (जासं)

### होलिस्टक सेशन का शुभारंभ

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में शुक्रवार को होलिस्टिक माइंड सेशन का शुभारंभ हुआ। एमएससी और पीएचडी छात्रों के लिए शुरू हुए इस कार्यक्रम में विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डा. मनीषा शुक्ला ने बुनियादी मानव आकांक्षा और स्व-नियमन विषय पर व्याख्यान में कौशल आधारित दक्षताओं के साथ-साथ प्रत्येक में एक समझ लाने का लक्ष्य रखा, ताकि नैतिक क्षमता के विकास पर मुख्य ध्यान केंद्रित रहे। (जासं)

### ट्रेडिंग की दी जानकारी

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट साइंसेज (आइएमएस) में शुक्रवार को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। बतौर विशेषज्ञ सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड आफ इंडिया (सेबी) के डीजीएम गगन वाधवा ने सेबी के नियमों और निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए उठाए गए उपायों की जानकारी दी। (जासं)

## 27 विद्यार्थियों को मिला प्लेसमेंट, दो को 14.40 लाख रुपये का पैकेज

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में कैंपस प्लेसमेंट का सिलसिला जारी है। महेंद्रा कंपनी की ओर से हुई प्लेसमेंट ड्राइव में 27 विद्यार्थियों का चयन किया गया। इनमें बीटेक के विद्यार्थियों प्रियांशु शुक्ला और आकांक्षा वर्मा को 14.40 लाख रुपये सालाना पैकेज मिला है। इनका चयन असिस्टेंट आइटी मैनेजर के पद पर हुआ है।

सेंट्रल प्लेसमेंट सेल की निदेशक प्रो. मधुरिमा लाल ने बताया कि पहली सूची में कंपनी ने 27 विद्यार्थियों का चयन किया है। इनमें असिस्टेंट डिजिटल मैनेजर के पद पर एमबीए द्वितीय वर्ष के छात्र दिव्यांश कुमार श्रीवास्तव को 8,64,000 रुपये सालाना, विजय कुमार मिश्रा को 7,20,000 रुपये सालाना, अंजलि सिंह को 7.9 लाख रुपये वार्षिक का पैकेज सहित कई बड़े पैकेज पर विद्यार्थियों का चयन किया गया है।उन्होंने बताया कि कुछ ही दिनों में चयन की दूसरी सूची भी जारी की जाएगी। गौरतलब है कि हाल ही में लवि में ओएनजीसी ने 24.61 लाख रुपये वार्षिक पर जियोलॉजी विभाग की दो छात्राओं का चयन किया था।

PIONEER PAGE 3

## स्टूडेंट फ्रेंडली परिसर बनाने को लेकर चीफ प्राक्टर ने छात्रों से लिए सुझाव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में शान्ति एवं सुव्यवस्था बनाये रखने की दृष्टि से विवि के कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी ने शुक्रवार को छात्रों से कैंटीन में चर्चा की। चर्चा के दौरान स्टूडेन्ट फेन्डली परिसर बनाने के विषय में छात्र छात्राओं द्वारा सुझाव दिये गये एवं विश्वविद्यालय प्रशासन को सहयोग का आश्वासन दिया। विवि के कुलानुशासक प्रो राकेश द्विवेदी के नेतृत्व में आज कुलानुशासक मण्डल के सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय के विभिन्न स्थलों यथा-वाणिज्य विभाग, टैगोर पुस्तकालय, टैगोर लॉन, भू.विज्ञान विभाग, वनस्पति विज्ञान विभाग, जन्तु विज्ञान विभाग, गणित विभाग, सांख्यिकी विभाग, रसायन विज्ञान विभाग, भौतिक विज्ञान विभाग, कला संकाय भवन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जो छात्र इधर.उधर बैठे मिले उन्हें अपनी कक्षाए पुस्तकालय एवं प्रयोगशाला में जाने हेतु निर्देशित किया। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय परिसर स्थित विभिन्न कैन्टीनों का भी सम्यक निरीक्षण किया गया। विज्ञान संकाय स्थित कैन्टीन में जो छात्र-छात्रायें जलपान कर रहे थे। उनसे प्रो द्विवेदी सहितं कुलानुशासक मण्डल के सदस्यों ने वार्ता की और उनके कैरियर के विषय में जानकारी प्राप्त की। चर्चा में स्टूडेन्ट फेन्डली परिसर बनाने के विषय में छात्र.छात्राओं द्वारा सुझाव दिये गये।

## लविवि के विषम सेमेस्टर की परीक्षा जनवरी में होनी तय

अमृत विचार संवाददाता

**तैयारी**

- परीक्षा फार्म व फीस की प्रक्रिया, दिसंबर के तीसरे सप्ताह में शुरू होने की संभावना
- अभी तक नहीं हुई विषम सेमेस्टर परीक्षा की घोषणा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ( लविवि ) के विषम सेमेस्टर की दिसंबर में होने वाली परीक्षाएं जनवरी में होना तय हैं। इसको लेकर विवि ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। विवि सूत्रों के मुताबिक परीक्षा फार्म व फीस जमा करने का निर्देश जल्द ही जारी किया जाएगा। संभावना है कि दिसंबर के तीसरे सप्ताह में प्रक्रिया शुरू हो जाए।

लविवि के परीक्षा कार्यक्रम में देरी के बावजूद अभी तक विषम सेमेस्टर परीक्षाओं की तिथि की घोषणा नहीं की जा सकी है। माना जा रहा है कि पहले, दूसरे व पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं जनवरी महीने में होगी जो कि दिसंबर में होनी थीं। लेकिन अभी भी तय तिथि की घोषणा विवि ने नहीं की है।

संभावना व्यक्त की जा रही है कि इसकी घोषणा दिसंबर माह के तीसरे सप्ताह में होगी। इसके साथ ही परीक्षा फार्म व फीस जमा करने का कार्यक्रम भी घोषित कर दिया जाएगा।

परीक्षा नियंत्रक कार्यालय सूत्रों के मुताबिक अभी विषम परीक्षा कार्यक्रम को लेकर तैयारियां चल रही हैं, लेकिन अंतिम निर्णय दिसंबर माह के तीसरे सप्ताह में लिया जाएगा।

AMRIT VICHAR PAGE 4

## विश्वविद्यालयों के प्लेसमेंट सेल की बढ़ी गुणवत्ता

अमृत विचार संवाददाता



**उपलब्धि**

- कॉलेज छात्रों को मिल रहे मोटे ऑफर के साथ बड़े पैकेज
- लविवि के दो छात्रों को मिला 14.40 लाख का पैकेज

लखनऊ। विश्वविद्यालयों के प्लेसमेंट सेल की गुणवत्ता बढ़ रही है। इससे अच्छी-अच्छी कंपनियों के बड़े पैकेज मिल रहे हैं। अभी हाल में ही लखनऊ विश्वविद्यालय व भाषा विश्वविद्यालय समेत डॉ. शकुंतला विश्वविद्यालय और अन्य विश्वविद्यालयों में छात्र व छात्राओं का प्लेसमेंट बड़े स्तर पर हो रहा है।

शुक्रवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में 14.40 लाख रुपये के पैकेज के साथ दो छात्रों का प्लेसमेंट्स हुआ है। विवि में महेंद्रा कंपनी द्वारा की गई प्लेसमेंट ड्राइव में 27 चयनित अभ्यर्थियों की पहली सूची जारी की गई। इसमें सभी 27 का चयन हो गया। विशेष यह रहा कि सबसे बड़ा पैकेज असिस्टेंट आईटी मैनेजर के दो पदों पर लविवि के छात्र प्रियांशु शुक्ला और आकांश वर्मा का हुआ। इन्हें 14.40 लाख रुपये का सालाना पैकेज मिला है। इसके अलावा असिस्टेंट डिजीटल मैनेजर के पद पर दिव्यांश कुमार को सालाना 8.6 लाख रुपये पर, एक्जूटिव ब्रांच मैनेजर पर अंजलि सिंह को सालाना 7.9 लाख रुपये का पैकेज व कई बड़े पैकेज पर विद्यार्थियों का चयन किया गया है। सभी संकायों के विद्यार्थियों का उनकी योग्यतानुसार चयन किया गया है।

इसके पूर्व अभी हाल में ही ओएनजीसी द्वारा सालाना 24.61 लाख रुपये के पैकेज के साथ जियोलॉजी विभाग की छात्राओं का चयन करके सीपीसी ने एक कीर्तिमान स्थापित किया था। प्लेसमेंट सेल की निदेशक डॉ. मधुरिमा लाल ने बताया कि लविवि के ए प्लस प्लस होने के बाद से यह गति आई है। उन्होंने बताया कि पिछले ढाई महीने में विश्वविद्यालय में 400 से अधिक प्लेसमेंट्स करके एक रिकॉर्ड कायम किया है।

### पीएचडी छात्रों के लिए होलिस्टिक माइंड सेशन शुरू

लखनऊ। मूल्य आधारित शिक्षा मानव चेतना के विकास की दिशा में वांछित परिवर्तन लाने और एक खंडित मानवीय समाज की ओर सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए आवश्यक है।हम अपने दैनिक जीवन में पूर्णता के साथ जीना चाहते हैं।शिक्षा से उम्मीद की जाती है कि वह न केवल छात्रों की मदद करके, बल्कि सभी को एक समग्र विश्व दृष्टिकोण विकसित करने के साथ-साथ परिवार, समाज और प्राकृतिक वातावरण के साथ एक व्यक्ति के रूप में पूर्ति और सद्भाव के साथ रहने के लिए व्यावहारिक कौशल विकसित करने में मदद करेगी।

इसी को देखते हुए रसायन विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय के मार्गदर्शन में एवं रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल मिश्रा के उत्कृष्ट नेतृत्व में एम.एससी. और पीएच.डी. छात्रों के लिए होलिस्टिक माइंड सेशन शुरू किया।इस कार्यक्रम का पहला सत्र एमएससी , रसायन विज्ञान सेमेस्टर और ट.रू. विभाग के फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री सेमेस्टर के छात्रों को समर्पित था।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 4

## लविवि में 27 विद्यार्थी चयनित

लखनऊ।लविवि में सेंट्रल प्लेसमेंट सेल हर विभागों में प्लेसमेंट्स की कामयाबी की पताका लहरा रहा है।हाल में महिंद्रा कंपनी द्वारा की गई प्लेसमेंट ड्राइव में शुक्रवार को27 चयनित अभ्यर्थियों की पहली सूची जारी की है, जिनका चयन हुआ है।विशेष बात यह है कि सबसे अधिक पैकेज असिस्टेंट आईटी मैनेजर के दो पदों पर प्रियांशु शुक्ला और आकांश वर्मा का 14.4 लाख रुपये वार्षिक (एलपीए) और इसके अतिरिक्त असिस्टेंट डिजिटल मैनेजर के पद पर दिव्यांश कुमार श्रीवास्तव को8.6 एलपीए, एक्जीक्यूटिव ब्रांच मैनेजर पर अंजलि सिंह को 7.9 एलपीए का पैकेज एवं कई बड़े पैकेज पर विद्यार्थियों का चयन किया गया है।सभी संकायो के विद्यार्थियों का उनकी योग्यतानुसार चयन किया गया है।प्लेसमेंट डायरेक्टर डॉ. मधुरिमा लाल ने बताया कि कुछही दिनों में इसकी दूसरी सूची भी जारी की जाएगी जिसमे कई अन्य विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। पिछले ढाई महीने में विश्वविद्यालय में 400 से अधिक प्लेसमेंट्स करके एक रिकॉर्ड कायम किया है। उन्होंने बताया कि हमारे यह प्लेसमेंट्स की कोई भी समस्या है ही नही। ऊंचे पदों पर अच्छी सैलरी पर उन सभी विद्यार्थियों का प्लेसमेंट हो गया है जो वास्तविक रूप से प्लेसमेंट की इच्छा रखते है क्योंकि हर विद्यार्थी की वरीयता प्लेसमेंट नहीं होती पर जिनकी होती है और जो भी हमे संपर्क करते है उनका प्लेसमेंट सीपीसी द्वारा अवश्य ही सुनिश्चित किया जाता है।

## लविवि में 14.40 लाख के पैकेज पर हुआ प्लेसमेंट्स, 27 छात्र चयनित

लखनऊ। लखनऊ विवि को नैक में ए प्लस प्लस ग्रेड मिलने के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट में लगातार बेहतर प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। हाल में महेंद्रा कंपनी द्वारा की गई प्लेसमेंट ड्राइव में आज 27 चयनित अभ्यर्थियों की पहली सूची जारी की है। इस प्लेसमेंट ड्राइव की विशेष बात यह है कि सबसे अधिक पैकेज असिस्टेंट आईटी मैनेजर के दो पदो पर प्रियांशु शुक्ला और आकाश वर्मा का 14.4 लाख रुपए सालाना और इसके अतिरिक्त असिस्टेंट डिजिटल मैनेजर के पद पर दिव्यांश कुमार को 8.6 लाख रुपए सालाना पर, एग्जीक्यूटिव ब्रांच मैनेजर पर अंजलि सिंह का 7.9 लाख रुपए सालाना पैकेज का चयन किया गया है। ओएनजीसी द्वारा 24.61 लाख रुपए सालाना के पैकेज के साथ जियोलॉजी विभाग की छात्राओं का चयन करके सीपीसी ने एक कीर्तिमान स्थापित किया था। डायरेक्टर प्लेसमेंट सेल डॉ मधुरिमा लाल ने बताया कि कुछ ही दिनों में इसकी दूसरी लिस्ट भी जारी की जाएगी, कई अन्य विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। कुलपति प्रो आलोक कुमार राय के दिशा निर्देशन में प्लेसमेंट्स के कार्य बड़ी ही जोरों से किया जा रहा है क्योंकि यह कुलपति की प्रथम वरीयता है। पिछले ढाई महीने में विश्वविद्यालय में 400 से अधिक प्लेसमेंट्स करके एक रिकॉर्ड कायम किया है।

### भाषा विवि में छात्रों का कैंपस प्लेसमेंट

भाषा विवि के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा कराई गई प्लेसमेंट ड्राइव के अंतर्गत 6 विद्यार्थियों का प्लेसमेंट हुआ है। कुलपति प्रो एन बी सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्लेसमेंट ड्राइव में मुख्य भूमिका व्यवसाय प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो सैयद हैदर अली एवं अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय के निदेशक प्रो एस के त्रिवेदी ने निभाई। इन विद्यार्थियों का चयन यू सर्टिफाई कम्पनी में सब्जेक्ट मैटर एक्सपर्ट के पद पर हुआ है।

## डॉ राधा कमल मुखर्जी की प्रासंगिकता पर शिकागो यूनिवर्सिटी में हो रहा शोध

- **लखनऊ विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र विभाग के संस्थापक थे डॉ मुखर्जी**
- **यूनिवर्सिटी आफ शिकागो के शोध छात्र जोशुआ सिल्वर को लखनऊ विश्वविद्यालय ने किया आमंत्रित**

सतीश सिंह। लखनऊ

यूपी में समाजशास्त्र के प्रणेता रहे लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति व समाजशास्त्र विभाग के प्रमुख रहे डॉ. राधाकमल मुखर्जी की प्रासंगिकता पर यूनिवर्सिटी आफ शिकागो में शोध चल रहा है। डॉ मुखर्जी के के क्षेत्रीय समाजशास्त्र एवं सामाजिक परिस्थिति पर शोध कर रहे शिकागो के शोध छात्र जोशुआ सिल्वर को समाजशास्त्र विभाग ने व्याख्यान के लिए अपने यहां आमंत्रित किया है। 24 दिसंबर को जोशुआ सिल्वर डॉ मुखर्जी पर अपना व्याख्यान देंगे।

समाजशास्त्र विभाग के विभाग प्रमुख प्रो. डी. आर साहू का कहना है कि विभाग की स्थापना 1922 में हुई थी। स्थापना के समय समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, एन्थ्रोपोलाजी और समाज कार्य विभाग एक ही में था। कालान्तर में समाजशास्त्र विभाग से सभी शाखाएं निकली और विभाग के रूप में स्थापित हुई। वर्ष 2022 में विभाग को 100 वर्ष पूरे हो गये हैं। ऐसे में शताब्दी वर्ष को देखते हुए कई एकेडमिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। जिनमें लेक्चर सीरिज एक होगा। उन्होंने बताया कि 24 दिसंबर को जोशुआ सिल्वर के व्याख्यान के साथ ही शताब्दी वर्ष के कार्यक्रम शुरू हो जायेंगे।

### अध्यापन से शुरू हुआ कैंरियर, कुलपति की संभाली जिम्मेदारी

डा. राधा कमल मुखर्जी

जोशुआ सिल्वर

डॉ राधाकमल मुखर्जी की प्रारंभिक शिक्षा पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बहरामपुर में हुई थी। बाद में उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाली प्रेसीडेंसी कॉलेज में पढ़ने के लिए एकेडमिक स्कॉलरशिप प्राप्त हुई। डॉ राधाकमल ने अंग्रेजी और इतिहास में स्नातक ऑनर्स की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद यहीं से उन्होंने पीएचडी की उपाधि हासिल की। डॉ मुखर्जी ने अपने प्रोफेशनल करियर की शुरुआत लाहौर के एक कॉलेज में अध्यापन कार्य से की थी। इसके बाद वह कोलकाता विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के रूप में अध्यापन कार्य करने लगे।

1921 में डॉ मुखर्जी समाजशास्त्र और अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर और अध्यक्ष पद पर लखनऊ विश्वविद्यालय में आ गए। उनके नेतृत्व में ही लखनऊ विश्वविद्यालय में सबसे वर्ष 1921 में समाजशास्त्र का अध्ययन प्रारम्भ हुआ था। इस कारण से वह उत्तर प्रदेश के समाजशास्त्र के प्रणेता के रूप में भी प्रसिद्ध थे। वर्ष 1952 में उन्होंने अपने पद से सेवानिवृति ली। इसके बाद वह वर्ष 1955 से 1957 तक विश्वविद्यालय के कुलपति रहे थे।

### मौलिक दार्शनिक थे डॉ मुखर्जी

डॉ राधाकमल मुखर्जी अत्यन्त मौलिक दार्शनिक थे। वह 20वीं सदी के कतिपय बहुविज्ञानी सामाजिक वैज्ञानिकों में से एक थे, जिन्होंने अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, मानवशास्त्र, परिस्थिति विज्ञान, दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान, साहित्य, समाजकार्य, संस्कृति, सभ्यता,कला, रहस्यवाद, संगीत, धर्मशास्त्र, अध्यात्म, आचारशास्त्र, मूल्य आदि विभिन्न विषयों पर अपना बहुमूल्य योगदान दिया। प्रोफेसर मुखर्जी ने 50 प्रसिद्ध पुस्तकें लिखीं। उन्हें वर्ष 1962 में भारत सरकार ने पद्म भूषण से सम्मानित किया था। कई विषयों के विद्वान रहे डॉ राधाकमल मुखर्जी का निधन 24 अगस्त 1968 को हुआ था।